Title: Demanded an increase in the excise duty on the import of edible oil and garlic.

श्री ज्स्वंत सिंह बिश्नोई (जोधपुर) : अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार की आयात नीति के चलते देश के किसान परेशान हैं। भारत में खाद्य तेल और लहसुन का आयात हो रहा है। इस वर्ष हमारे यहां किसानों की अच्छी पैदावार हुई है और सरसों, रायड़ा तथा लहसुन हुआ है। लेकिन भारत सरकार द्वारा इनके आयात से आज हमारे किसानों की सरसों नहीं के बराबर बिक रही है, लहसुन और रायड़ा का लागत मूल्य भी किसान को नहीं मिल रहा है। चीन में लहसुन तीन-चार रुपए प्रति किलो बिकता है, जबकि यहां हमारा लहसुन दस रुपए प्रति किलो पड़ रहा है। इस कारण राजस्थान के किसान, खासकर जोधपुर के किसान बहुत परेशान हैं। उनका रायड़ा 600 रुपए में भी नहीं बिक रहा है। इस कारण वे बिजली के बिल जमा कराने में असमर्थ हैं और नतीजा यह हो रहा है कि वे आत्म हत्या की ओर जा रहे हैं। मेरा निवेदन है कि बाहर से जो लहसुन और खाद्य तेल हम मंगा रहे हैं, उस पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई जाए ताकि भारत के किसान, खासकर पश्चिमी राजस्थान और जोधपुर के किसान जिंदा रह सकें।